

शनेल, बिक की ओर से फ़ोन करने वाली

फ़ोन बजा।

देश का कोड +33 था। फ़्रांस, बेशक।

जो मैं नहीं जानता था, वह यह कि मुझे फ़ोन आख़िर कौन कर सकता है। मैंने कभी अधूरे इश्क़ पीछे नहीं छोड़े थे; एक जिलेट मैन के तौर पर यह कभी मेरा अंदाज़ नहीं रहा। फ़्रांसीसी औरतें हमेशा ठीक-ठीक जानती थीं कि उन्हें क्या चाहिए, और उन्हें कभी इंतज़ार नहीं कराया जा सकता था। मैं हमेशा उनकी योजनाओं के साथ चलता आया था। ग्राहक को पहले चाहत में और फिर ज़रूरत में संतुष्ट करना हमेशा से माँ जिलेट का नियम रहा था।

“हैलो, सुप्रभात। मेरा नाम क्लोद शिराकाक है, और मैं विश्व मध्यस्थ संचालन की मैनेजर हूँ। क्या मैं जिलेट नैरेटिव के मालिक श्री फर्दिनांदो फ्रेगा से बात कर रही हूँ?”

“जी, बोल रहा हूँ। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?”

“यह पूछना आपकी बड़ी मेहरबानी है। आजकल ऐसा जवाब आम नहीं मिलता। शुक्रिया। मुझे आपसे मिलना है, यह बात करने के लिए कि एक ख़ास प्रोजेक्ट को अंजाम तक कैसे पहुँचाया जाए।”

“मेरी प्रिय महोदया, मैं पहले रिटायर हूँ और फिर शादीशुदा। लेकिन मैंने नए मौक़ों का हमेशा स्वागत किया है। नई प्रतिबद्धताओं के लिए मैं अब भी उपलब्ध हूँ। तो अगर प्रस्ताव काफ़ी लुभावना हो, तो हम एक अस्थायी जुड़ाव पर ज़रूर विचार कर सकते हैं।”

“शुक्रिया, श्री फ्रेगा। क्लोद शिराकाक मेरा पेशेवर नाम है, लेकिन दोस्तों के बीच मुझे शनेल कहते हैं, अगर आप चाहें तो। एक बड़ी फ़्रांसीसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के प्रबंधन ने मुझे यह ज़िम्मा सौंपा है कि मैं आपसे संपर्क करूँ और आपकी पहलों से जुड़े कई मामलों को अंतिम रूप दूँ। उनके लिए आप ही आधिकारिक संदर्भ-बिंदु हैं। अगर आप मुझे अपना थोड़ा समय दें, तो मुझे आपके पास आकर हर बात खुलकर करने में ख़ुशी होगी।”

“ठीक है। जब आप चाहें, हम मिल सकते हैं। मुझे बस दिन, समय और यह अंदाज़ा चाहिए कि मुलाक़ात कितनी देर चलेगी।”

“तब तो मैं कल दोपहर 2:30 बजे आ सकती हूँ और शाम 7:30 बजे तक रुक सकती हूँ। और बस इन चंद बातों से ही आप मुझे एक दिलचस्प इंसान लगने लगे हैं। आपकी वेबसाइट पर लगी तस्वीर इस धारणा की पुष्टि करती है। उम्मीद है कि समझदार होने के साथ-साथ आप ज़बान के पक्के भी निकलेंगे।”

“मेरी प्रिय शनेल, बरसों की सम्मानजनक सेवा के बाद इटली के विदेश मंत्रालय ने मुझे प्रशस्ति पदक से नवाज़ा, इस बात के लिए कि मैं दुनिया की औरतों से किस तरह पेश आया। त्रासदी बस इतनी थी कि उनमें से लगभग हर एक के साथ स्वाभाविक अंजाम शादी होता—और यही वह वादा था जो मैं कभी कर नहीं सका।”

“ठीक है। शुक्रिया, श्री फ्रेगा। कल मिलते हैं। शेरेटन होटल, रेज्जो कालाब्रिया, दोपहर 2:30 बजे।”

“मैं वहाँ रहूँगा। शुक्रिया। कल तक के लिए विदा।”

फर्दिनांदो